Topic 1:– वेस्ट नाइल वायरस (WNV)

चर्चा में क्यों :– हाल ही में भारत के केरल राज्य में वेस्ट नाइल वायरस से होने वाले वेस्ट नाइल बुखार के मामले सामने आए हैं।

वेस्ट नाइल वायरस के कारण ही वेस्ट नाइल बुखार होता है। यह एक संक्रामक रोग है जो संक्रमित मच्छर के काटने से लोगों में फैलता है।

वेस्ट नाइल वायरस :– इस वायरस का पहला मामला 1937 में देखा गया। वेस्ट नाइल वायरस का पहला मामला अफ्रीकी महाद्वीप के युगांडा में पश्चिमी नाइल नामक पहचाना गया था ।

वेस्ट नाइल नामक स्थान पर पाए जाने के कारण इस वायरस को वेस्ट नाइल वायरस नाम दिया गया।

भारत में इस वायरस का इतिहास :– WNV वायरस की पहली बार जानकारी केरल राज्य के अलाप्पुझा में 2006 में मिली। वर्ष 2011 में भी इस वायरस को केरल के ही एर्नाकुलम में इसे पाया गया ।

यह वायरस फ्लेवीवायरस जीनस फैमिली से संबंधित है। यह सिंगल स्ट्रैंडेड RNA वायरस है जो मच्छर जनित होता है ।

इस रोग के वाहक संक्रमित मच्छर होते है जिनके द्वारा विशेषकर जीनस क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से यह फैलता है।

संक्रमण चक्र:

संक्रमण के वाहक क्यूलेक्स नामक मच्छरों की प्रजाति है।

Result Mitra

पक्षी इस विषाणु के मेज़बान के रूप में योगदान प्रदान करते हैं।

यह वायरस पक्षियों , इंसानों और जानवरों में संक्रमित मच्छर के द्वारा फैलता हैं।

जब यह मच्छर अपने भोजन के लिए किसी संक्रमित पक्षी को काटता है तो इस दौरान मच्छर भी संक्रमित हो जाता है

WNV विषाणु कुछ समय तक संक्रमित मच्छरों के खून में रहता है इसके बाद यह उनकी लार ग्रंथियां में पहुंच जाता है और जब यही संक्रमित मच्छर इंसानों काटते हैं तो यह विषाणु इंसानों में तथा जानवरों में प्रवेश कर जाता है

लक्षण: इस विषाणु से संक्रमित 80% लोगों में यह रोग स्पर्शोन्मुख है। अर्थात उन्हें महसूसी नहीं होता कि उनके अंदर यह विषाणु है
जबकि शेष 20% मामलों में निम्न लिखित लक्षण देखने को मिलते है :- वेस्ट नील फीवर या गंभीर WNV बुखार, मतली, शरीर में दर्द, सिरदर्द, थकान, दाने और सूजन ग्रंथियों जैसे लक्षणों के साथ देखा जाता है।

इलाज की सुविधा :- इस वायरस से संक्रमित व्यक्तियों के लिए अभी तक किसी भी प्रकार के तक का निर्माण नहीं किया गया है जबकि अगर कोई घोड़ा इस संक्रमण से संक्रमित होता है तो उसके लिए टीके उपलब्ध है

Topic 2 :- विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024

चर्चा में क्यों:- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) के द्वारा विश्व प्रवासन रिपोर्ट, 2024 को जारी किया गया।

इस रिपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के महानिदेशक एमी पोप ने औपचारिक रूप से बांग्लादेश में जारी किया ।

बांग्लादेश वर्तमान में उत्प्रवास, आव्रजन और
विस्थापन के साथ ही अन्य प्रवासन की चुनौतियों में सबसे आगे है।

रिपोर्ट में सम्मिलित मुख्य पहलू :-

- इस रिपोर्ट में वैश्विक प्रवासन पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलावों पर खुलासा किए गए।
- इस रिपोर्ट में विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या को सामिल किया गया
- अंतरराष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि को शामिल किया गया।

रिपोर्ट से संबंधित मुख्य बातें :-

Result Mitra

संघर्ष और जलवायु परिवर्तन को विश्व भर में विस्थापन के लिए मुख्य उत्तरदायी कारण माना गया है।

विश्वभर में कुल लगभग 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या है। जिसमें से 117 मिलियन विस्थापित हैं, विस्थापित का यह अब तक का सबसे उच्चतर रिकॉर्ड है।

रिपोर्ट में भारत की स्थितिः

विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी आबादी की सबसे अधिक संख्या भारतीयों (18 मिलियन) की है।

रिपोर्ट में कहा गया है की उत्तर प्रदेश , राजस्थानvऔर मध्य प्रदेश जैसे भारतीय राज्यों में आंतरिक प्रवासन में जलवायु स्थितियों की प्रमुख भूमिका होती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब ऐसे देश है जो भारतीय प्रवाशियो को अधिक या मुख्य रूप से आकर्षित करते हैं।

भारत में प्रवासियों का कितना महत्वपूर्ण योगदान है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2022 में भारत को विश्व में सबसे अधिक विप्रेषण (Remittance) प्राप्त हुआ जो की 111 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का था।

कितनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत एकमात्र देश है

प्रवासियों के सामने प्रमुख समस्याएं:–

- अल्प विकसित या विकासशील देशों के व्यक्तियों को प्रवासन के साधन और मार्ग कम उपल्ब्ध होना
- अधिक लोग गैर- कानूनी प्रवासन मार्ग अपनाने हैं।
- नए देश में नस्लवाद, नफरत या द्वेष (जेनोफोबिया) का इन प्रवासियों को सामना करना ।
- अपराधीकरण, लैंगिक हिंसा और कई अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन जैसे अनेक मुद्दे

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) :–

स्थापित :– 1951 में ।

यह संगठन संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में शामिल है।

मुख्यालयः जिनेवा (स्विट्जरलैंड)।

Result Mitra

सदस्यः 175 सदस्य देश।

उद्देश्यः विस्थापन से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकालना और नियमित प्रवासन के लिए मार्ग को आसान बनाने के उपाय करना।

विस्थापन से जुड़ी मुख्य पहलें: ग्लोबल कॉम्पैक्ट फॉर माइग्रेशन ।

Topic 3 :– सीमा सड़क संगठन (BRO)

चर्चा में क्यों :– हाल ही में सीमा सड़क संगठन (BRO) को 65 वर्ष पूर्ण हुए है।

BRO से संबंधित जानकारी :–

BRO का पूरा नाम :– Border Roads Organisation

आदर्श वाक्य:–1. WE WILL EITHER FIND A WAY OR MAKE ONE

2. "श्रमेण सर्वम साध्यम!" (अर्थ है "कड़ी मेहनत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है।")

BRO रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

स्थापनाः 1960 में ।

गठन का उद्देश्यः– देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण करना तथा उनके रखरखाव पर ध्यान देना ।

प्रथम परियोजना :– पूर्वी क्षेत्र में प्रोजेक्ट टस्कर (नया नाम वर्तक) और उत्तर में प्रोजेक्ट बीकन BRO की पहली परियोजना थी ।

BRO ना सिर्फ भारत की सीमा क्षेत्र में निर्माण का कार्य करता है यह भारत के साथ-साथ पड़ोसी देशों जिनके साथ भारत के अच्छे संबंध हैं उन देशों में भी सड़क तथा अन्य अब संरचनाओं का निर्माण करता है जैसे की - भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान।

विषेशः–

- BRO राष्ट्रीय आपात की स्थिति में भी सड़कों तथा उन संरचनाओं का निर्माण करता है तथा उनका रखरखाव करता है
- यह युद्ध के समय सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों (फॉरवर्ड जोन) में सड़कों का निर्माण और रखरखाव भारतीय सेना की मदद से करता है।
- यह ऑर्गेनाइजेशन वायु सेना के लिए भी एयरफील्ड की मरम्मत तथा अन्य निर्माण संबंधी कार्य करता है।

BRO के आगामी प्रोजेक्ट :– यह संगठन जल्द ही शिंकुन ला सुरंग जो की 4.10 किलोमीटर लंबी होगी इस पर कार्य शुरू करेगा।

इस सुरंग का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह सुरंग 15,800 फीट की ऊंचाई के साथ विश्व की सबसे ऊँची सुरंग बन जाएगी। वर्तमान में यह खिताब चीन में 15,590 फीट ऊंचाई वाली सुरंग को यह खिताब मिला हुआ है ।

Result Mitra